

11.06.2019

सरकारी पत्रोदर उप।

कील अप्राणी उप।

मूल वाद अंतर्गत धारा 177 आर.

टी. एच. का खारीज दिया गया

है। आर। मूल वाद के अभाव में

स्थगन प्रा. पत्र नहीं चल सकता।

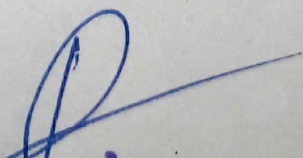
आर। प्राणी का प्रथम पत्र अंतर्गत

धारा 212 आर. टी. एच. का

खारीज दिया जाता है। पत्रावली फॉसल

में शुमार होकर मूल वाद के साथ

जल्दी ही जावे।

  
सहायक कलेक्टर  
पाली (राज.)